समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

RBI का बड़ा तोहफा : सस्ते होंगे घर-कार समेत सभी तरह के लोन और EMI, रेपो रेट मे 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती।

Publisher

Published on 06 Jun 2025

आरबीआई ने लगातार तीसरी बार रेपो रेट मे कंटौती करते हुए 0.50% कमी का ऐलान किया। घर, कार, पर्सनल लोन पर अब कम लगेगी ईएमआई, रियल एस्टेट सेक्टर को मिलेगा नया बूस्ट।

नई दिल्ली, 6 जून 2025: कर्जदारों के लिए राहत भरी खबर आई है। **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)** ने शुक्रवार को **रेपो रेट मे 50 बेसिस प्वाइंट (0.50 प्रतिशत)** की बड़ी कटौती कर दी है। अब रेपो रेट घटकर 5.5 प्रतिशत रह गया है।
इससे पहले इस साल **फरवरी मे 25 बेसिस प्वाइंट** और **अप्रैल मे भी 25 बेसिस प्वाइंट** की कटौती की गई थी। पिछले छह महीनों में यह तीसरी बार है जब RBI ने रेपो रेट घटाया है।

घर, कार समेत सभी लोन होंगे सस्ते
आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि इस फैसले से देशभर में **कार लोन, होम लोन** समेत सभी तरह के लोन सस्ते होंगे और ईएमआई पर बोझ घटेगा।
उन्होंने कहा, "इस कदम से देश के अंदर निवेशकों को बड़ा मौका मिलेगा। वैश्विक मंदी के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और घरेलू मांग को भी समर्थन मिलेगा।"

RBI का ब्याज दरों मे अहम बदलाव
१. **रेपो रेट घटाकर 5.5%**

२. **एसडीएफ रेट घटकर 5.25%**
३. **एमएसएफ रेट घटाकर 5.75%**
४. **कैश रिजर्व रेशियो (CRR) घटाकर 3% (पहले 4%)**

वैश्विक हालात का असर

RBI का यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब वैश्विक स्तर पर अमेरिकी राष्ट्रपति **डोनाल्ड ट्रंप** द्वारा **स्टील** और **एल्युमिनियम** पर टैरिफ बढ़ाए गए हैं, जिससे भारत के निर्यात को झटका लगा है। इस कदम से भारतीय अर्थव्यवस्था में संतुलन बनाए रखने की कोशिश की गई है।

आर्थिक वृद्धि को मिलेगा बल

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने FY2026 के लिए **6.5%** की विकास दर का अनुमान जताया है।
विभिन्न तिमाहियों के अनुमान:
१. **Q1: 6.5%**
२. **Q2: 6.7%**
३. **Q3: 6.6%**
४. **Q4: 6.3%**

रियल एस्टेट सेक्टर मे दिखेगा असर

गंगा रियल्टी के ज्वाइंट एमडी विकास गर्ग ने कहा, "रेपो रेट में कटौती रियल एस्टेट सेक्टर के लिए सकारात्मक कदम है। होम लोन सस्ते होंगे, जिससे मिड-इनकम और फर्स्ट-टाइम होमबायर्स के बीच मांग बढ़ेगी।"

उन्होंने कहा कि इससे डेवलपर्स के लिए पूंजी लागत कम होगी और प्रोजेक्ट्स के कार्यान्वयन में तेजी आएगी। आरबीआई का '**न्यूट्रल**' मौद्रिक नीति रुख दिखाता है कि वह विकास और महंगाई के बीच संतुलन साधने की दिशा में काम कर रहा है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.